CCPS

क्रियाओं में बचाव का
आकाशदीप

http://www.aiche.org/CCPS/Publications/Beacon/index.aspx

निर्माण कार्य में लगे कर्मचारियों के लिये संदेश

आकाशदीप के 100 संस्करण और सी०सी०पी०एस० के साथ द्वारा प्रक्रिया सुरक्षा के 25 साल का उत्सव।

कहीं हम भूल न जाएं !

फ़रवरी 2010, संस्करण संख्या 100

अपनी हत्या से कुछ समय पूर्व राष्ट्रपति केनेडी

11 सितंबर 2001 को युनाइटेड फ़्लाइट 93 के विमान के ढांचे का एक टुकड़ा

23 मार्च 2005 टेक्सॉस शहर के शोधक कारखाने में विस्फ़ोट के बाद का दृश्य

इन तिथियों में कौन-सी बात समान है : 7 दिसंबर 1941, 22 नवंबर 1963, 11 सितंबर 2001? यह सभी उन घटनाओं की तिथियां हैं जिन्हें संयुक्त राज्य अमरीका में सब लोग हमेशा याद रखेंगे। दुर्भाग्यवश, यह दुर्घटनाएं थीं – पर्ल हार्बर पर आक्रमण, राष्ट्रपति केनेडी की हत्या और न्यू यॉर्क स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर आतंकवादी हमला। यह वे तिथियां हैं जिन्हें अमरीका के लोग याद रखते हैं। आपकी संस्कृति या देश की तिथियां व घटनाएं उपरोक्त से अलग होंगी और हो सकता है कम याद रखने योग्य हों – आखिरकार दिसंबर 1941 से पहले शेष विश्व का अधिकतर भाग युद्ध में व्यस्त था और कई अन्य देशों में बड़े आतंकवादी हमले हुए हैं। <u>अपने इतिहास की उन महत्वपूर्ण तिथियों और आप उन्हें क्यों याद रखते हैं इस विषय में सोचें।</u>

20 जुलाई 1969 के बारे में आपका क्या ख़्याल है ? क्या आप यह तिथि जानते हैं? यह वह दिन है जिस दिन पहले मनुष्य ने चाँद पर कदम रखा था। यह इतिहास का एक अधिक गौरवशाली दिन था परंतु शायद बहुत कम लोगों को यह तिथि याद होगी। क्यों ? मानसिक दृष्टि से देखा जाए तो हम अच्छी बातों के मुकाबले बुरी बातें अधिक याद करते हैं। बुरी बातें याद करने से हमें पीड़ा या कुछ खोने की अनुभूति होती है परंतु हम इन्हें फिर भी याद रखते हैं।

गंभीर प्रक्रिया घटनाओं के साथ भी ऐसा ही होता है। अगले महीने, टेक्सॉस स्थित टेक्सॉस शोधक कारखाने में हुए विस्फ़ोट, जिसमें 15 लोगों की मृत्यु हुई और 180 लोग हताहत हुए, को 5 साल हो जाएंगे। हर कंपनी के इतिहास में ऐसी तिथियां हैं जिन्हें गंभीर घटनाओं के कारण याद रखा जाता है। क्या उनकी सालगिरह याद रखने के लिए कोई समारोह होता है? शायद नहीं, मगर वे सफल उत्पादों को बाज़ार में लाने जितनी ही महत्वपूर्ण हैं। उन्हें याद करना एक दर्दनाक अनुभव हो सकता है, ख़ासकर उन लोगों के लिए जिन्होंने इनमें अपने किसी नज़दीकी मित्र या सहकर्मी को खोया हो, मगर हमें याद रखना होगा ताकि हम यह सुनिश्चित कर सकें कि यह दुर्घटनाएं फिर कभी न हों।

क्या आप जानते हैं?

- दुनियाभर के प्रक्रिया उद्योग एक ही संस्कृति बनाते हैं जो हमारे द्वारा प्रचालित औद्योगिक संयंत्रों के प्रकार और हमारे द्वारा इस्तेमाल किए जा रही सामग्रियों व प्रक्रियाओं के ख़तरों द्वारा व्याख्यित की जाती है। यह संस्कृति देश की सीमाओं के परे है और हमारे इतिहास में कुछ तिथियां हैं जिन्हें हमें कभी नहीं भूलना चाहिए : इनमें से दो के बारे में हमने नवंबर और दिसंबर 2009 के आकशदीपों में चर्चा की थी – 19 नवंबर 1984 (मेक्सिको शहर के एल० पी० जी० टर्मिनल में आग व विस्फ़ोट) और 3 दिसंबर 1984 (भोपाल, भारत में विषैली गैस का रिसाव)।
- "ऐसा लगता है कि मनुष्य इतिहास में उपलब्ध सीखों को अनदेखा करने पर तुला हुआ है।" - नॉर्मेन बोर्लौग, अमरीकी वनस्पति शास्त्री और विश्व खाद्य आपूर्ती में योगादान हेतु 1970 के नोबॅल पुरस्कार विजेता।
- "हम वर्तमान में रहते हैं, भविष्य के सपने देखते हैं परंतु हम इतिहास की शाश्वत सच्चाइयों से सीखते हैं।" - श्रीमति चियांग काई-शेक

आप क्या कर सकते हैं?

- वरिष्ठ कर्मियों को पहले हुई घटनाओं के बारे में पूछें। ज़रूरी नहीं कि वे गंभीर विस्फ़ोट ही हों परंतु वे प्रक्रिया में विघ्न हो सकते हैं जिनके कारण कोई घटना होते-होते रह गई या प्रक्रिया में कोई खराबी जिसके कारण कोई बड़ी गुणवत्ता या प्रचालन संबंधी समस्या उत्पन्न हुई।
- पहले हुई घटनाओं को इस प्रकार लिखित रूप दें ताकि उन पर आसानी से पुनर्विचार किया जा सके।
- अपने संयंत्र के नए कर्मचारियों, फिर चाहे वह संयंत्र का जैनीटर हो या प्रबंधक, के साथ इन सीखों के बारे में चर्चा करें ताकि वे इनसे शिक्षा ले सकें।
- क्या हो सकता है, इस बारे में सबको याद दिलाने के लिए प्रक्रिया के ख़तरों का विश्लेषण और अन्य ख़तरों का पुनरावलोकन करते समय पुरानी घटनाओं की सूची का इस्तेमाल करें।
- कहीं और हुई घटनाओं को समझने और अपने साथ उन्हें होने से रोकने के लिए आपको क्या करना है यह समझने के लिए आकाशदीप पढ़ें और अन्य लोगों को भी पढ़ने के लिए दें।

"जिस इतिहास को आप नहीं जानते उसके अलावा इस संसार में कुछ भी नया नहीं है।"
- हैरी एस० ट्रूमैन, अमरीका के राष्ट्रपति

AIChE © 2010, सर्वाधिकार सुरक्षित। अव्यवसायिक व शिक्षा संबंधी कार्य के लिए पुनः जारी करने को बढ़ावा दिया जाता है। तथापि CCPS के अलावा किसी अन्य संस्था या व्यक्ति द्वारा बिक्री के लिए पुनः छापने पर प्रतिबंध है। हमसे ccps_beacon@aiche.org या 646-495-1371 पर संपर्क करें।

सामान्यतयाः आकाशदीप अफ़्रीकान्स, अरबी, चीनी, डैनिश, डच, अंग्रेज़ी, फ़्राँसीसी, जर्मन, यूनानी, गुजराती, हीब्रू, हिंदी, हंगेरियन, इंडोनेशियाई, इतालवी, जापानी, कोरियन, मलय, मराठी, नॉर्वेजियॅन, फ़ारसी, पुर्तगाली, रूसी, स्पैनिश, स्वीडिश, थाई, तेलुगू, तुर्की, उर्दू और वियतनामी भाषाओं में उपलब्ध है।

This document has been translated with the help of Chilworth Technology Pvt. Ltd.

On behalf of all of the readers of the Beacon in 33 languages, CCPS and the CCPS Process Safety Beacon Committee would like to thank all of our volunteer translators for their efforts on behalf of process safety throughout the world in 2009. With this issue of the Beacon, we celebrate 100 issues since November 2001.

All translators are volunteers, and the only compensation that they receive is the knowledge that their efforts are helping to improve process safety throughout the process industries. Because of their volunteer efforts, CCPS is able to distribute the Process Safety Beacon in 33 languages as of December 2009. If you know, or meet, any of our translators in the course of your work, please thank them personally for their work. If you are interested in translating the Beacon into a language which is not currently available, please contact us at ccps_beacon@aiche.org and we will provide you with information on the procedure for translation.

Afrikaans: Francois Holtzhausen, Sasol	**Malay:** Busari Jabar and Amiruddin Bin Abu Bakar, PETRONAS
Arabic: Khalid Walid Haj Ahmed, Alfaisal University	**Marathi:** Shirish Gulawani, Thermax Limited - Chemical Division
Brazilian Portuguese: Antonio Lauzana, Petrobras / Repar	**Norwegian:** Janne-Kristin Nyquist, Reichhold AS
Chinese: Li Yi and Zhu Ronghui, Kunming Cellulose Fibers Co., Ltd	**Persian (Farsi):** Mostafa Sadeghpour National Iranian Oil Refining and Distribution Company (NIORDC)
Danish: Ole Raadam, Becht Engineering Co., Inc.	**Polish:** Agnieszka Majchrzak, Płock, Poland
Dutch: Marc Brorens, BP Rotterdam Refinery	**Portuguese:** Nuno Pacheco, Repsol Polímeros and Helder Figueira, DuPont Safety Resources
French: Robert Gauvin, SNC-LAVALIN INC. **NOTE:** Robert has provided French translations of all 100 issues of the Beacon !	**Russian:** Sergey V. Belyaev, EHS Manager
German: Dieter Schloesser, Basell; Martin Fuchs, Chemtura Manufacturing Germany GmbH; Karl-Fred Woerner Celanese/Ticona	**Spanish:** Julio Miranda, P. Eng
Greek: Vassiliki Moukriotou, Magdalini Karakitsiou, Anastasios Keramopoulos, HELLENIC PETROLEUM SA	**Swedish:** Iva Rauswall Frisk and Claes Broman, Borealis AB
Gujarati: Mayoor Vaghela, HELPS Safety Consultant	**Tamil:** Varun Bharti, Cholamandalam MS Risk Services Ltd.
Hebrew: Reuven Wachs, HSE consultant; Benny Sagiv, ICL Global; Martin Stone, Bromine Compounds Ltd.; Boaz Harel, Eilat Ashkelon Pipeline Co. Ltd.; Yossie Weber, Weber Safety Engineering Ltd.; Ofer Navot, Intel	**Thai:** Surak Sujaritputangoon, HMC Polymers Co., Ltd., and Donruethai Tantiwaraporn, Postgraduate Student, Coventry University, UK
Hindi: Rekha Sharma, Chilworth Technology (Pvt. Ltd)	**Traditional Chinese:** S.G.Lin
Hungarian: Maria Molnarne, BAM, Berlin	**Turkish:** Hasim Sakarya, Dow
Indonesian: IIPS (Alvin/Darmawan/Vidya/ Wahyu)	**Urdu:** Rizwan A. Taqi
Italian: Cesare Mazzini and Monia Casana, Uniqema	**Vietnamese:** Ha Van Truong, BP
Japanese: Takuya Kotani and colleagues, SCE-NET	**Telugu:** V.Ravi Kumar, Nagarjuna Fertilizers and Chemicals Limited
Korean: Hwan Bae, SK Corporation	